# गंधर्वि कथक नृत्यालय

gandharvinrutyalaya@gmail.com

+91 75885 79928


## अ. भा. गांधर्व मंडल मुंबई
## कथक नृत्य
## मध्यमा प्रथम वर्ष परीक्षा

| | |
|---|---|
| पूर्णांक – 200 | न्यूनतम् – 70 |
| क्रियात्मक - 125 | न्यूनतम् – 44 |
| शास्त्र - 75 | न्यूनतम् – 26 |

**शास्त्र**

1. प्रारंभिक से प्रवेशिका तक सभी शब्दों की जानकारी।नर्तन के भेद नृत्य, नाट्य, नृत्त की परिभाषा।
2. लास्य तथा तांडव कि केवल परिभाषा।
3. अभिनय दर्पण अनुसार ग्रीवा भेद चार प्रकार के।
4. अभिनय दर्पण अनुसार 9 प्रकार के शिरो भेद।
5. लोकनृत्य तथा आधुनिक नृत्य की परिभाषा।
6. जीवनिया_ पंडित कालिका प्रसाद, पंडित बिंदादीन महाराज, पंडित हरिहर प्रसाद, पंडित हनुमान प्रसाद।
7. जयपुर तथा लखनऊ घराने की विशेषता।
8. संयुक्त हस्त मुद्राएं अभिनय दर्पण अनुसार परिभाषा एवं प्रयोग_ अंजली, कापोत, कंकट, स्वस्तिक, डोला, पुष्पपुट, उत्संग, शिवलिंग, कटकवर्धन, कर्तरीस्वस्तिक, शकट, शंख
9. तीनताल, झपताल, एकताल के पाठ्यक्रम की रचनाओं को लिपिबद्ध करना।
10. गतभाव के प्रसंगों का वर्णन करना।
11. संत कवि सूरदास है तथा मीरा का परिचय।

**<u>क्रियात्मक</u>**

**तीनताल मैं विशेष योग्यता**

गुरु वंदना, ३ ठाठ, दो आमद (एक सादा, एक परन जुड़ी), तीन चक्करदार तोड़े जो चार आवृत्ति से कम के ना हो, ३ परन ( एक मिश्र जाती आवश्यक), तीन चक्करदार परन, दो कवित्त, तीन गिनती की तिहाई, तत् कार में आधी, बराबर, दुगून, तिगुन, चौगुन, अठगुण करना तथा बाट या चलन का विस्तार करना ।


Gandharvi Kathak Nrutyalaya

**झपताल**
दो ठाठ, एक परनजुड़ी आमद, एक सलामी, तीन तोड़े (3 आवृत्ति से अधिक आवर्तनके हो), दो चक्करदार तोड़े, दो परन, दो चक्करदार परन, एक कवित्त, तीन तिहाई, तत् कार की ठाह, दुगून, चौगुन तिहाई सहित।

**एकताल**
एक ठाठ, एक आमद, दो तोड़े, एक चक्करदार तोड़ा, एक परन, एक चक्करदार परन, एक तिहाई, तत् कार की बराबर, दुगून, चौगुन तिहाई सहित।

**तीनताल में**
गतनिकास की विशेषता, झूमर (घुंगरु युक्त माथे की बिंदी जैसा मांग का गहना), कलाई, मटकी उठाने के तीन प्रकार।
गतभाव _ माखनचोरी।
अभिनय पक्ष में एक भजन अथवा भक्ति रस के आधार पर गीत या पद पर अभिनय (भाव प्रस्तुति)

**सभी बोलो को हाथ से ताली देकर पढ़ना आवश्यक है।**

Gandharvi Kathak Nrutyalaya